Media Coverage in respect of Alumni Meet of 1973-76 batch of Govt Polytechnic Hamirpur

46 वर्षों बाद गले लगकर भावुक हुए बहुतकनीकी कॉलेज के पूर्व विद्यार्थी

राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय हमीरपुर के 1973-76 बैच के छात्रों ने साझा की यादें

संवाद न्यूज एजेंसी

हमीरपुर। राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय हमीरपुर के 1973-76 बैच के छात्रों ने 46 वर्षों के बाद संस्थान में एकत्रित होकर अपने शिक्षकों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। यह पूर्व छात्र देश -विदेश की कई सरकारी एवं प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अपनी सेवा दे चुके हैं।

इन पूर्व छात्रों में तीन सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता, पांच सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता और कई अधिशाषी अभियंता शामिल रहे। इन्होंने लोक निर्माण विभाग, जलशक्ति विभाग, बिजली बोर्ड, सीमा सड़क संगठन जैसे कई प्रतिष्ठित विभागों में अपनी सेवाएं दी हैं। संस्थान में बिताए अपने सुनहरे दिनों को याद करते हुए सभी पूर्व छात्र भावुक हो गए। उन्होंने एक

राजकीय बहुतकनीकी कॉलेज हमीरपुर में मौजूद पूर्व छात्र। संवाद

दूसरे को गले लगाया और अपने अनुभव और विचार साझा किए। ये भावनात्मक होने के साथ-साथ खुशी के पल भी थे।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इनमें एमएल शर्मा (निदेशक तकनीकी शिक्षा), डीएन लखनपाल (संयुक्त निदेशक तकनीकी शिक्षा), डीके गौतम (प्रिंसिपल), आर राकेश कपूर (प्रिंसिपल) तथा विभिन्न सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष टीएन महाजन, वाईडी शर्मा, एमके शर्मा, टीआर शर्मा और बीके शर्मा शामिल रहे। सतीश ढींगरा (वर्तमान प्राचार्य) को भी सम्मानित किया गया। समारोह का मुख्य क्षण तब आया जब पूर्व छात्रों ने मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित रविंदर नाथ गुलेरिया (पूर्व छात्र) का चित्र प्रधानाचार्य को भेंट किया। इन्होंने देश सेवा में सीमा सड़क संगठन में कार्य करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने आग्रह

राजकीय बहुतकनीकी कॉलेज हमीरपुर के पूर्व छात्र रहे सैनिक आरएन गुलेरिया का चित्र भेंट करते।

किया कि वह इसे संस्थान के परिसर में प्रदर्शित करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां इस वीर योद्धा के गौरवमय इतिहास को जानकर प्रेरणा ले सकें। अंत में सभी पूर्व छात्र दोबारा मिलने का वचन देकर अपने-अपने घरों की तरफ रवाना हो गए। बता दें कि राजकीय बहुतकनीकी संस्थान हमीरपुर की स्थापना वर्ष 1963 में हुई थी और यह हिमाचल प्रदेश का दूसरा सबसे पुराना बहुतकनीकी संस्थान है।

समारोह 46 वर्षों के बाद राजकीय बहुतकनीकी संस्थान हमीरपुर के छात्र और शिक्षक समारोह में हुए इकट्ठे

परिजनों ने कीर्ति चक्कर विजेता का चित्र प्रिंसिपल को भेंट किया

हमीरपुर/रजनीश शर्मा

राजकीय बहुतकनीकी हमीरपुर की स्थापना वर्ष 1963 में हुई थी और यह हिमाचल प्रदेश का दूसरा सबसे पुराना बहुतकनीकी संस्थान है। इस संस्थान के अधिकांश छात्र देश और विदेश में बहुत उच्च प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर रहे हैं।

46 वर्षों के बाद राजकीय बहुतकनीकी हमीरपुर के 1973-76 बैच के छात्रों ने संस्थान के परिसर में एकत्रित होकर अपने शिक्षकों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया 7 यह छात्र देश विदेश की कई सरकारी एवं प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अपनी सेवा दे चुके हैं । इन पूर्व छात्रों में 3 सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता, 5 सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता और कई अधिशासी अभियंता शामिल थे जिन्होंने लोक निर्माण विभाग ,जलशक्ति विभाग, बिजली विभाग ,सीमा सड़क संगठन जैसे कई प्रतिष्ठित

विभागों में अपनी सेवाएं दी हैं द्य

संस्थान में बिताए अपने सुनहरे दिनों को याद करते हुए सभी पूर्व छात्र भावुक हो गए। उन्होंने एक-दूसरे को गले लगाया और अपने अनुभव और विचार साझा किए। ये भावनात्मक होने के साथ-साथ खुशी के पल भी थे।

इस अवसर पर जिन सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया उनमें ई. एमएल शर्मा (निदेशक, तकनीकी शिक्षा), ई. डी.एन.लखनपाल (संयुक्त निदेशक, तकनीकी शिक्षा), ई. डी के गौतम (प्रिंसिपल) आर. राकेश कपूर (प्रिंसिपल) तथा विभिन्न सेवानिवृत विभागध्यक्ष ई. टीएन महाजन,ई. वाई डी शर्मा, ई. एमके शर्मा, ई. टी.आर. शर्मा और ई. बी.के.शर्मा शामिल थे 7 इस अवसर पर सतीश ढींगरा (वर्तमान प्राचार्य, राजकीय बहुतकनीकी हमीरपुर) को भी सम्मानित किया गया। इस समारोह का मुख्य क्षण तब आया जब पूर्व छात्रों ने मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित रविंदर नाथ गुलेरिया (पूर्व छात्र) का चित्र प्रधानाचार्य को भेंट किया जिन्होंने देश सेवा में सीमा सड़क संगठन में कार्य करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने अनुरोध किया कि वह इसे संस्थान के परिसर में प्रदर्शित करें ताकि आने वाली पीढ़ियां इस वीर योद्धा के गौरवमय इतिहास को जानकर प्रेरणा ले सकें।

बहुतकनीकी संस्थान में 46 वर्ष बाद मिले पुराने सभी विद्यार्थी और शिक्षक

शहीद रविंद्र नाथ गुलेरिया को मिला मरणोपरांत कीर्ति चक्र संस्थान को किया भेंट

हमीरपुर, 16 मार्च (अनिरुद्ध) : राजकीय बहुतकनीकी संस्थान हमीरपुर में लगभग आधी सदी बाद वे पुराने छात्र और उन दिनों के शिक्षक आपस में मिले तो एक इतिहास बना। 1963 से यह संस्थान हमीरपुर में स्थापित हुआ था तब से न जाने कितने विद्यार्थी यहां से शिक्षा ग्रहण करके देश-विदेश में सेवाएं देकर सेवानिवृत्त हो गए हैं। 1973-76 बैच के सभी पुराने छात्र और उन दिनों के प्राध्यापकों का इतने वर्षों बाद हमीरपुर कैंपस में मिलन हुआ तो स्थिति अद्भुत और रोमांच पैदा कर रही थी।

छात्र और प्राध्यापक कोई अपने पुत्र, पुत्रवधू या पत्नी के साथ आए थे। सबकी आयु 65 वर्ष से ऊपर ही थी।

सभी पुराने विद्यार्थियों ने अपने सहपाठी दिवंगत रविंद्र नाथ गुलेरिया मरणोपरांत देश सेवा करते हुए कीर्ति चक्र भारत सरकार से मिला है, उसे वर्तमान प्रिंसीपल सतीश ढींगरा को कालेज में लगाने के लिए दिया ताकि वर्तमान छात्रों को इससे देश प्रेम की प्रेरणा मिले।

हमीरपुर : पुराने छात्रों के सहपाठी रहे रविंद नाथ गुलेरिया को मरणोपरांत देश सेवा करते हुए मिला कीर्ति चक्र प्रिंसीपल सतीश ढींगरा को कालेज में लगाने के लिए भेंट करते हुए। (अनिरुद्ध)

फिर मिलने का लिया प्रण

अपने *पुराने साथियों, सहपाठियों, छात्रावास के रूममेट्स यहां तक कि कैंटीन में काम करने वाले उस समय के छोटे से बालक के बालों की सफेदी देखकर पुराने सभी विद्यार्थी और शिक्षक आत्मविभोर हो उठे। कोई विदेश से आया तो कोई देश के किसी अन्य कोने से। विभिन्न विभागों में बड़े-बड़े ओहदों से सेवानिवृत्त हुए बहुतकनीकी संस्थान के कुछ छात्र अपने पोतों तक को इस बहाने कैंपस का चक्कर लगवाने ले आए थे। सभी की आंखों में कैंपस को देखकर अजीब सी खुशी थी और मन में पुरानी यादें ताजा हो रही थीं। अपनी पुरानी यादों को सांझा कर सभी ने फिर किसी ऐसे ही मौके पर मुलाकात करने का प्रण लेकर विदाई ली।*